

श्री गणेशाय नमः
श्री अवधपत्येनमः नमः बृज राजेश।
नमः कलि—पावन गुरुः नानकदेव दरवेश॥
नमः सर्व कल्याण करः श्री अखण्डानन्द कृपाल।
नमः मैगसि माय—श्री साई अमड़ि दयाल॥

गीत मानस

१— साई साहिब महिमा

१

जै दाता जन त्राता साई प्रेम अमिय रस राते हो
सीय रघुवर स्नेह सरस हो गुण निधान गुण गाते हो
कथा कुंज में चरित फूल पर मधुपनि जियां मंडराते हो
सदां जीओ साई अमां प्यारल प्रणत जननि पुलकाते हो॥

२

जै मन मोहन लाड़ लड़ैते साई शोभा सिंधू
जै सति संग उजागर नागर सेवक तारन इन्दू
दीननि दुख भंजन जन रंजन विपति विदारक बंधू
सदां जीओ साई अमां प्यारल मेरे साहिब बख्त बुलंदू॥

जै कोमल कमलेक्षण प्यारे रुप सिंधू रस धामा
 सूफी साफ सरलचित सुन्दर अलबेले अभिरामा
 पर गुण गाहक नेह निबाहक शोभ्या ललित ललामा
 सदां जीओ साईं अमां प्यारल नित गावत स्वामिनि श्यामा॥

जै चंद्र वदन सुख सदन सुहावन नीति निपुण जै नाथा
 प्रेमियुनि प्राण पाल पुरुषोत्तम गावत रघुवर गाथा
 पूरण प्रितिभा तेज अलौकिक सेवक करत सनाथा
 सदां जीओ साईं अमां प्यारल नितु गहत दीन कर हाथा॥